SHREE SAPTASHRUNGI SHIKSHAN SANSTHA NASHIK, SANCHALIT
SHREE SAPTASHRUNGI AYURVED MAHAVIDYALAY & HOSPITAL
Kamal Nagar, Hirawadi, Panchavati, Nashik - 422 003. | Tel.: (0253) 2621565 (College) | (Hosp.) 2518548
Fax : (0253) 2621638 ● E-mail : ssamnsk@gmail.com ● website : www.ssam.in

संहिता सिद्धांत विभाग

रुग्णापरिक्षापत्रकम्

रुग्ण नाम:- ओ.पी.डी.क्र.:- आय. पी. डी. क्र.:-

जन्मदिनांक:-/ वय:- लिंग:- देश:- काल:-

निवासस्थान:- व्यवसाय:-

वर्तमान लक्षणानि:-

- वर्तमान व्याधिवृत्त:-

- रुग्णेतिहास:-
- कुलवृत्त:- मातृकुल :- पितृकुल :- स्वकुल :-
- अष्टविध परिक्षणानि:-
  1. नाडी:- वेग :- दोष : गति :- सर्प / मंडूक / हंस
  2. मल:- वर्ण :- वेग :- स्वरुप :- गंध :-
  3. मूत्र:- वर्ण :- वेग :- स्वरुप :- गंध :-
  4. जिव्हा:- साम / निराम
  5. शब्द:-
  6. स्पर्श:- स्निग्ध / रुक्ष उष्ण / शीत / अनुष्ण
  7. दृक:-
  8. आकृती :- कृश / मध्यम / स्थूल
- त्रिविध परिक्षणानि:-
  1. दर्शनम:- स्पर्शनम:- प्रश्ना: :-

- पांचभौतिक परीक्षणनि :-
  1. एवं शब्दम् :- एवं स्पर्शम्:- एवं रुपम्:- एवं रसम्:- एवं गंधम्:-

- सामान्य परिक्षणानि:-
  1. प्रकृति:- 1. शारीर :- वात / पित्त / कफ /वातपित्तज / वातकफज / पितकफज / त्रिदोषज
     २. मानस :- सात्विक / राजसिक / तामसिक
  2. विकृति:-
  3. सार:- रस /रक्त / मांस / मेद / अस्थि / मज्जा / शुक्र / सर्वसार / असार
  4. संहनन :- प्रवर / मध्यम / अवर
  5. प्रमाण:-
  6. सात्म्य :-
  7. सत्व :-
  8. आहारशक्ती :- जरणशक्ती अभ्यवहरणशक्ती
  9. व्यायामशक्ती :-
  10. वय (अवस्था) :

- **स्रोतस परीक्षण :-**

<u>प्राणवह स्रोतस</u>:- नासा परीक्षण:- नासगुहा :- आगंतूशल्य / अर्श / आरक्तता/ पिटीका.
नासापटल:- वक्रता / व्रण / अर्बुद.. नासास्त्राव:- द्रव / तनू / सांद्र / पिच्छिल / सरक्त / सपूय / दुर्गंधीयुक्त
कंठ परीक्षण:- वर्ण:- आरक्तता / श्यावता / पितता गिलायु :- स्पर्शगम्य- वृद्धी:- अस्ति / नास्ति
वेदनासहत्व: पूयोत्पत्ती :- गलशुण्डिका :- व्रण / क्षोभ / वृद्धी
उर परीक्षण:-
दर्शन परीक्षा:- आकार :- प्राकृत / विकृत if विकृत:- पुरोत: / पश्चिमत: / पार्श्वत:
उत्सेध :- अस्ति / नास्ति अवनत प्रदेश :- अस्ति / नास्तिव्रण :- अस्ति / नास्ति सिरादर्शन :- अस्ति / नास्ति
स्पर्शन परीक्षा :- स्पर्शासहत्व:- अस्ति / नास्ति उत्सेध :- अस्ति / नास्ति आकोटन परीक्षा :-श्रवण परीक्षा :-
फुफ्फुसध्वनी :- vascular / wheezing / Rhonchi / Crepitation
हृदय परीक्षण :- heart sounds:- महास्रोतस (Nine regions of abdomen) आध्मान :- अस्ति / नास्ति
मलावष्टंभ :- अस्ति / नास्ति
दुष्टी लक्षण:- कास :- सष्ठीवन / शुष्क / सरक्त / सपूय स्वरभेद :-
श्वसनकष्टता :- श्रमजन्य / श्रम न करता श्वास / उच्छवास सशब्दश्वासोच्छवास :-
उरशूल :- स्थान:- उरोस्थि पश्चात / पार्श्व
शूल स्वरूप :- सतत / खंडित
मारल्याप्रमाणे / टोचल्याप्रमाणे / दाबल्याप्रमाणे ष्ठीवन :- सरक्त / सपूय / पीतवर्णी / हरित कफ / दुर्गंधीहिक्का :-
अस्ति / नास्ति स्वरूप
नासागत रक्तस्त्राव :- अस्ति / नास्ति काल:- प्रमाण :-
क्षवथु :- अस्ति / नास्ति Allergy if any :-
नख :- उन्नत / श्याववर्णी श्यावता वर्णी देह :- अस्ति / नास्ति इतर लक्षणे :-
दुष्टी हेतु :- क्षय , संधारण , रौक्ष्य - व्यायाम (क्षुधितस्य) अन्य दारुण कर्म
<u>उदकवह स्रोतस</u> :-तालु :- क्लोम:-
दुष्टी लक्षणे :- जिव्हाशुष्कता :- अस्ति / नास्ति तालु शुष्कता :- अस्ति / नास्ति कंठशुष्कता :- अस्ति / नास्ति
ओष्ठशुष्कता :-पिपासा :- इतर लक्षणे :-
दुष्टी हेतु :- औष्ण्य - आम - अतिपान - अतिशुष्कान्न , तृष्णा का अतिपीड़न , भय
<u>अन्नवह स्रोतस</u> :- ओष्ठ :- शोथ / शुष्कता / पिटीका / दारण वर्ण - आरक्त / पांडुवर्ण / श्यावता / वैवर्ण
सहज विकृति :- अस्ति / नास्ति मुख :- दंत :- कृमीदंत / पुयदंत / दंतमूलगत रक्तस्त्राव / शोथ
वर्ण :- श्वेत / पीत जिव्हा :- शुष्क / आद्र साम / निराम वर्ण :- आरक्त / श्वेत / श्याववर्ण / कृष्णवर्ण
उदर :- दर्शन परीक्षा :- आकार:- नाभी :- परिवृत्त / अवनत सिरादर्शन :- अस्ति / नास्ति
स्पर्शन :- स्पर्श :- उष्ण / शीत / अनुष्ण स्पर्शासहत्व :- अस्ति / नास्ति
आकोटन :- d) श्रवण परीक्षा :- peristalsis sound
दुष्टी लक्षणे :- अनन्नाभिलाषा :- अस्ति / नास्ति प्रसेक :- हल्लास :- अस्ति / नास्ति
अरोचक :- अस्ति / नास्ति अविपाक मुखपाक :- अस्ति / नास्ति;
छर्दी :- काळ वेग - हल्लासपूर्वक छर्दी - अस्ति / नास्ति। वर्ण -
कालावधी- व्रण - अस्ति / नास्ति उद्गार :- जेवणापूर्वी / जेवणानंतर
अम्लिका :- अस्ति / नास्ति तृष्णा :- अस्ति / नास्ति उदरआध्मान :- अस्ति / नास्ति
उदरशूल :- अस्ति / नास्ति ; स्थान- जेवणापूर्वी / जेवणानंतर
इतर लक्षणे :-
दुष्टी हेतु :- अतिमात्र - अकाल - अहित भोजन - अग्नि , वैगुण्य
<u>रसवह स्रोतस</u> :-
नाडी :- रक्तदाब :- हृदय :- त्वचा :- स्निग्ध / रुक्ष. वर्ण - लसिका :-
दुष्टी लक्षणे :- अश्रद्धा :- अस्ति / नास्ति अरुचि :- अस्ति / नास्ति आस्यवैरस्य :- अस्ति / नास्ति
अरसज्ञता :- अस्ति / नास्ति हल्लास :- अस्ति / नास्ति. गौरव :- अस्ति / नास्तिअंगमर्द :- अस्ति / नास्ति

ज्वर :- अस्ति / नास्ति काळ:- स्वरूप:- सतत/ खंडित शिततापूर्वक ज्वर - अस्ति / नास्ति
तमप्रवेश :- अस्ति / नास्ति. पांडुवर्णता :- अस्ति / नास्ति, हृद्रव :- अस्ति / नास्ति, क्ल्यैब्य :-
साद (क्लांति) :- अस्ति / नास्ति, कृशता :- अस्ति / नास्ति, अग्निमांद्य :- अस्ति / नास्ति,
वलि :- अस्ति / नास्ति पलित :- अस्ति / नास्ति
दुष्टी हेतु :- गुरु - शीत , अतिस्निग्ध - अतिमात्र , अशन , चिंतनाधिक्य
<u>रक्तवह स्रोतस</u>:- यकृत :- स्पर्शगम्य - प्लीहा :- स्पर्शगम्य -
दुष्टी लक्षणे :- त्वकविकार :- अस्ति / नास्ति (कुष्ठ / विसर्प / पिडका / विद्रधि / नीलिका / व्यंग / पिप्लु /
तिलकालक / दद्रु / चर्मदल / श्वित्र / पामा / कोठ)
पांडुता :- अस्ति / नास्ति श्यावता :- दाह :- अस्ति / नास्ति
रक्तपित्त :- रक्तप्रदर :- गुदपाक :- मुखपाक :- अस्ति / नास्ति कामला / गुल्म / :-प्लिहारोग :
दुष्टी हेतु :- विदाही , स्निग्ध - उष्ण , द्रव , अन्नपान , आतप - वातसेवा
<u>मांसवह स्रोतस</u> :-स्नायु :- मांस :- शोथ / शैथिल्य त्वक :- स्निग्ध / रुक्ष व्रण :- खमल :-
दुष्टी लक्षणे :- कृशता :- संधिशूल :- अधिमांस (Granuloma) :- अर्बुद (Myoma) :-
मांसकील :- गलशालूक (Uvulitis) :- गलशुण्डी (Tonsillitis) :- पूतिमांस :- अलजी (Boils) :-गण्ड
(Goiter) :- गण्डमाला :- उपजिव्हीका :-
दुष्टी हेतु :- अभिष्यन्दी - स्थूल- गुरु भोजन , भोजनोत्तर , दिवानिद्रा
<u>मेदोवह स्रोतस</u> वृक्क :- वृद्धी / शूल / स्पर्शासहत्व / renal calculi
वपावहन :- कटी:- स्वेद :- स्वेदप्रवृत्ती - बहु / अल्प / प्राकृत
दुष्टी लक्षणे :- स्थौल्य :- / कार्श्य :- अतिस्वेद :- अस्ति / नास्ति अस्वेद :- अस्ति / नास्ति
जटिलीभावं केशेषु :- अस्ति / नास्ति माधुर्यमास्यस्य :- अस्ति / नास्ति करपादयो: सुप्ततादाहौ :-
मुखकण्ठतालुशोष :- पिपासा :- आलस्य :- परिदाहं सुप्ततताचअंगेषु :- विस्त्र शरीरगंध :- अस्ति / नास्ति
दुष्टी हेतु :- अव्यायाम - दिवानिद्रा - अतिमेदुरभोजन वारुणी (मद्यविशेष) अतिसेवन
<u>अस्थिवह स्रोतस</u> :- मेद :- जघन :- दंत :- वर्ण - श्वेत / पीत कृमीदंत / पुयदंत / दंतमूलगत रक्तस्त्राव / शोथ
नख :- वर्ण - उन्नत / अवनत केश :- रुक्ष/ स्निग्ध/ पालित्य / खलित्य
दुष्टी लक्षणे :- आधिअस्थि (hypertrophy of bones) /आधिदंत /अस्थिभेद /अस्थिशूल :-संधिशूल :-संधिमुच्यता
(Dislocation) :-/
संधिशूल :- अस्ति / नास्ति
स्थान - आकार - स्पर्श - स्पर्शासहत्व - अस्ति / नास्ति शोथ -
अतिदीर्घ शरीर:- अस्ति / नास्ति/ अतिह्रस्वशरीर :- अस्ति / नास्ति
दुष्टी हेतु :- व्यायाम - अतिसंक्षोभ - अस्थियों का अतिविघट्टन , वातल पदार्थ अतिसेवन
<u>मज्जावह स्रोतस</u> :-अस्थि:- संधि :- स्पर्श - उष्ण / शीत स्पर्शासहत्व - अस्ति / नास्ति
शूल - अस्ति / नास्ति क्रिया - क्रियाहानि / क्रियाल्पता / सशूलक्रिया शोथ - अस्ति / नास्ति
अक्षिविट त्वक स्नेह :- अस्ति / नास्ति
दुष्टी लक्षणे :-पर्वप्रदेशी वेदना :- स्थान - काळ- स्वरूप -
भ्रम :- स्वरूप - सतत / खंडित मूर्च्छा :- अरूंषी :- शिरशूल :-स्थान -काळ- स्वरूप -
आक्षेप :- प्रमाण - तीव्रता - कालावधी -स्थानिक / सार्वदेहिक
कंप :- अल्प / प्रभूत संन्यास :-
दुष्टी हेतु :- उत्पेषण- अतिअभिष्यंदी पदार्थग्रहण , अभिघात - प्रपीडन , विरुद्ध सेवन
<u>शुक्रवह स्रोतस</u> :- वृषण :- शोथ / शूल शुक्रस्त्राव :- सकष्ट / सरक्त / सपूय मेढ्र :- व्रण / पिटीका /
मेढ्रमार्गाचा संकोच / सहजविकृती
दुष्टी लक्षणे :- क्ल्यैब्य :- अहर्षण :- विकृत संतान :- वंध्यत्व :- गर्भपात :-
दुष्टी हेतु :- अकाल योनिगमन - मैथुन निग्रह - अतिमैथुन
<u>आर्तववह स्रोतस</u> :- प्रथम रजोदर्शन :- रजस्त्राव :- कालावधी - वर्ण :- वस्त्ररंजन :-
प्रवर्तन :- नियमित / अनियमित रज: प्रवर्तन वेळी उपस्थित इतर लक्षणे :-

अपत्य:- रजोनिवृत्ती:-

दुष्टी लक्षणे :- वंध्यत्व :- गर्भस्त्राव :- गर्भपात :- अपत्यविकृति :-

<u>पुरीषवह स्रोतस</u> :- पक्वाशय :- गुद:- अर्श / परिकार्तिका / भगंदर / विद्रधि

पुरीष :- वर्ण- गंध- अप्सु निमज्जन

स्वरूप - द्रव / शिथिल / घन / ग्रथित / सकृच्छता / सशब्द / सशूल / अतिद्रव / दुर्घन्ध

सरक्तत्व प्रवाहण साम / निराम

दुष्टी लक्षणे :- मलविबंध :- कालावधी -/ द्रवमलप्रवृत्ती :-/ कालावधी - वेग - मलवायुनिष्क्रमण :-

उदरवृद्धी :- स्थान - कालावधी- स्थौल्य / मलवायुसंचिती / मलसंचिती / द्रवसंचिती / गर्भ

पिंडीकोद्वेष्टन :- / शिरशूल :- / आध्मान :-

दुष्टी हेतु :- संधारण - अत्यशन - अजीर्णाशन- अध्यशन , दुर्बलाग्नि

<u>मूत्रवह स्रोतस</u> :- वंक्षण :- वृक्क :- स्पर्शासहत्व - अस्ति / नास्ति बस्ति :-

उत्सेध - अस्ति / नास्ति। स्थान मेढ्र :- व्रण / पिटीका / मेढ्रमार्गाचा संकोच सहजविकृति - अस्ति / नास्ति

दुष्टी लक्षणे :- उदर शूल :- स्थान - परावर्तित वेदना :- अस्ति / नास्ति स्वरूप - सतत / खंडित

सकष्टमूत्रप्रवृत्ती :- मूत्रवेगाधिक्य मूत्राधिक्य :- मूत्राल्पता :-

मूत्रदाह :- काल - मूत्रप्रवृत्तीवेळी / मूत्रप्रवृत्ती नंतर

सरक्तमूत्रता :- काल - मूत्रप्रवृत्तीवेळी / मूत्रप्रवृत्तीनंतर रक्तप्रमाण - अल्प / प्रभूत

शिरशूल :- विनाम :- वंक्षणानाह :-

दुष्टी हेतु :- मूत्रितोदक भक्ष्यसेवन - मूत्रनिग्रह- क्षीण अभिहत

<u>स्वेदवह स्रोतस</u> :- स्वेदप्रवृत्ती :- बहु / अल्प / प्राकृत त्वचा :- स्निग्ध / रुक्ष / प्राकृत रोमकूप :-

दुष्टी लक्षणे :- अस्वेद :- अतिस्वेद :- परुषता :- परिदाह :- लोमहर्ष :- अतिश्लक्ष्णताअंगस्य :

दुष्टी हेतु :- व्यायाम - अतिसंताप - शीतोष्ण अक्रम सेवन - क्रोध - शोक - भय

<u>मनोवह स्रोतस</u>:- धी :- धृति :- स्मृति :- निद्रा :- अनिद्रा / अल्पनिद्रा /सम्यक

• विकृत स्रोतस निर्देश :-

• निदानपंचक :-

हेतव: :-

पूर्वरूपाणि :-

रूपाणि :-

संप्राप्ति :-

उपशयानुपशय :- नाम-

निदानम् :-

दोषप्राधान्य निश्चिति :- चिकित्सा सिद्धांत:-

व्याधि अवस्था :-

व्याधि अधिष्ठान :- पथ्य अपथ्य

व्याधिमार्ग :-

उपद्रव :-

एवं उदर्कम् :-

शिक्षकाची स्वाक्षरी विद्यार्थी स्वाक्षरी